

HINDI



HINDIA CLASS VII

INDEX

CHAPTER-I	हम पंछी उन्मुक्त गगन के
CHAPTER-II	दादी माँ
CHAPTER-III	हिमालय की बेटियां
CHAPTER-IV	कठपुतली
CHAPTER-V	मिठाईवाला
CHAPTER-VI	रक्त और हमारा शरीर
CHAPTER-VII	पापा खो गए
CHAPTER-VIII	शाम एक किसान
CHAPTER-IX	चिड़िया की बच्ची
CHAPTER-X	अपूर्व अनुभव
CHAPTER-XI	रहीम के दोहे
CHAPTER-XII	कंचा
CHAPTER-XIII	<u>एक तिनका</u>
CHAPTER-XIV	खानपान की बदलती तस्वीर प्रश्नावली

- CHAPTER-XV** नीलकंठ निबन्ध से:
- CHAPTER-XVI** भोर और बरखा
- CHAPTER-XVII** वीर कुँवर सिंह
- CHAPTER-XVIII** संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिज़ाजी हो गया:
धनराज
- CHAPTER-XIX** आश्रम का अनुमानित व्यय
- CHAPTER-XX** विप्लव-गायन कविता से

CHAPTER-I

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

2 MARK QUESTIONS

प्रश्न 1.

हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते ?

उत्तर-

हर प्रकार की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते, क्योंकि उन्हें वहाँ उड़ने की आजादी नहीं है। वे तो खुले आसमान में ऊँची उड़ान भरना, नदी-झरनों का बहता जल पीना, कड़वी निबौरियाँ खाना, पेड़ की ऊँची डाली पर झूलना, कूदना, फुदकना अपनी पसंद के अनुसार अलग-अलग ऋतुओं में फलों के दाने चुगना और क्षितिज मिलन करना ही पसंद है। यही कारण है कि हर तरह की सुख-सुविधाओं को पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते।

प्रश्न 2.

पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं?

उत्तर-

पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी इन इच्छाओं को पूरा करना चाहते हैं

(क) वे खुले आसमान में उड़ना चाहते हैं।

(ख) वे अपनी गति से उड़ान भरना चाहते हैं।

(ग) नदी-झरनों का बहता जल पीना चाहते हैं।

(घ) नीम के पेड़ की कड़वी निबौरियाँ खाना चाहते हैं।

(ङ) पेड़ की सब ऊँची फुनगी पर झूलना चाहते हैं।

वे आसमान में ऊँची उड़ान भरकर अनार के दानों रूपी तारों को चुगना चाहते हैं। क्षितिज मिलन करना चाहते हैं।

3. इस कविता तथा कवि का नाम लिखिए।

उत्तर-

कविता का नाम- 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के

कवि का नाम- शिवमंगल सिंह 'सुमन'

4. पक्षी कैसा जीवन जीना चाहते हैं?**उत्तर-**

पक्षी एक स्वतंत्र जीवन जीना चाहते हैं।

5. पक्षी ऊँची उड़ान के लिए क्या-क्या बलिदान देते हैं?**उत्तर-**

पक्षी ऊँची उड़ान के लिए अपना घोंसला, डाली का सहारा आदि सब कुछ न्योछावर करने को तैयार हैं। उनका मानना है। कि ईश्वर ने उन्हें सुंदर पंख दिए हैं इसलिए उनकी उड़ान में कोई बाधक न बनें।

6. अपनी किन इच्छाओं को पूरा करने के लिए पिंजरे से आजाद होने के लिए व्याकुल हैं।**उत्तर-**

पक्षी नदी-झरनों का बहता जल पीने, तेज़ गति से उड़ान भरने नीले आसमान की सीमा तक उड़ने, पेड़ की फुनगी पर झूलने, कड़वी निबौरियाँ खाने और अनार रूपी दाने चुगने के लिए पिंजरे के बाहर निकलने के लिए व्याकुल होते हैं।

प्रश्न 7.

स्वर्ण-श्रृंखला और लाल किरण-सी में रेखांकित शब्द गुणवाचक विशेषण हैं। कविता से हूँदकर इस प्रकार के तीन और उदाहरण लिखिए।

उत्तर-

- (क) कनक-तिलियाँ,
- (ख) कटुक-निबौरी,
- (ग) तारक-अनार

5 MARK QUESTIONS

प्रश्न 1.

‘भूखे-प्यासे’ में द्वंद्व समास है। इन दोनों शब्दों के बीच लगे चिह्न को सामासिक चिह्न (-) कहते हैं। इस चिह्न से ‘और’ का संकेत मिलता है, जैसे-भूखे-प्यासे = भूखे और प्यासे। इस प्रकार के दस अन्य उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर-

दाल-रोटी – दाल और रोटी
अन्न-जल – अन्न और जल
सुबह-शाम – सुबह और शाम
पाप-पुण्य – पाप और पुण्य
राम-लक्ष्मण – राम और लक्ष्मण
सुख-दुख – सुख और दुख
तन-मन – तन और मन
दिन-रात – दिन और रात
दूध-दही – दूध और दही
कच्चा-पक्का – कच्चा और पक्का

2. पक्षी को मैदा से भरी सोने की कटोरी से कड़वी निबौरी क्यों अच्छी लगती है?

उत्तर-

परतंत्र जीवन सदैव कष्टमय होता है। ऐसे समय में मन की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है। स्वतंत्र जीवन में कठिनाइयाँ भी कितनी अधिक क्यों न हों, वह गुलामी के जीवन से अच्छा होता है। अतः पक्षी भी खुले में रहकर मैदा से भरी सोने की कटोरी की अपेक्षा नीम के कड़वे फल खाना अधिक पसंद करते हैं।

3. कवि ने इस कविता के माध्यम से हमें क्या संदेश देना चाहा है?

उत्तर-

कवि ने इस कविता के माध्यम से संदेश देना चाहा है कि पराधीन सपनेहुँ सुख नहीं। यानी स्वतंत्रता सबसे अच्छी है। स्वतंत्र रहकर ही अपने सपने और अरमान पूरे किए जा सकते हैं। पराधीनता में सारी इच्छाएँ खत्म हो जाती हैं। पराधीन रहने से हमें अपनी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर हो जाना पड़ता है। अतः कवि ने इस कविता के माध्यम से स्वतंत्रता के महत्त्व को दर्शाया है। अतः हमें पक्षियों को बंदी बनाकर नहीं रखना चाहिए। उन्हें आजाद कर आसमान में उड़ान भरने देना चाहिए।

4. स्वतंत्रता के महत्व को लिखिए?

उत्तर-

स्वतंत्रता सर्वोपरि होता है। स्वतंत्र व्यक्ति अपनी इच्छा से अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता है, खा-पी सकता है,

कहीं घूम – फिर सकता है तथा विचारों को अभिव्यक्त कर सकता है। गुलामी का जीवन कष्टमय होता है। हमें अंग्रेजों ने दो सौ वर्षों तक गुलाम बनाकर रखा जिसमें हमें काफ़ी यातनाएँ झेलनी पड़ी। हमें काफ़ी संघर्ष के बाद आजादी मिली। अतः स्वतंत्रता को सँभालकर रखना हम सभी का दायित्व है। इसी प्रकार की स्वतंत्रता पक्षियों पर भी लागू होती है।